

## भारत अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन परषिद के लिये फरि से नरिवाचति

स्रोत: पी.आई.बी.

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत को [अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन \(IMO\)](#) परषिद के लिये फरि से चुना गया है, जो IMO में इसकी नरितर सेवा का प्रतीक है।

- यह पुनः नरिवाचन वर्ष 2024-25 द्वविवार्षिकि का हसिसा, जो भारत को "अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे अधिक रुचि" वाले 10 राज्यों की श्रेणी में रखता है और वैश्विक समुद्री मामलों में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है।

### अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन क्या है?

- IMO के बारे में:
  - IMO [संयुक्त राष्ट्र \(UN\)](#) की एक विशेष एजेंसी है जो शपिगि को वनियिमति करने और जहाजों से [समुद्री प्रदूषण](#) को रोकने के लिये ज़मिमेदार है।
  - IMO की स्थापना 1948 में जनिवा में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के बाद हुई थी और 1958 में असततित्व में आया।
- सदस्य:
  - IMO में 175 सदस्य देश और तीन सहयोगी सदस्य हैं, इसका मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में है।
    - भारत 1959 में IMO में शामिल हुआ।
- भूमिका:
  - इसकी मुख्य भूमिका पोत परविहन उद्योग के लिये एक [नियामक ढाँचा](#) तैयार करना है जो नषिपक्ष तथा प्रभावी हो, सार्वभौमिक रूप से अपनाया गया हो एवं सार्वभौमिक रूप से लागू किया गया हो।
  - यह [वधि संबंधी वषियों](#) को भी शामिल करता है, जसिमें [दायतिव](#) तथा [प्रतपूरति](#) के मुद्दे एवं अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात की [सुगमता](#) शामिल है।
  - पोत परविहन तथा समुद्री गतविधियों के महत्त्व को उजागर करने के लिये IMO सतिंबर के प्रत्येक अंतमि गुरुवार को [वशिव समुद्री दविस](#) मनाता है।
- IMO की संरचना:
  - IMO [सदस्यों की सभा \(Assembly\)](#) द्वारा शासति होता है, जसिकी बैठक द्वविवार्षिकि रूप से होती है तथा [40 सदस्यों की एक परषिद](#) होती है, जसि दो वर्ष की अवधिके लिये वधिनसभा द्वारा चुना जाता है।
    - IMO की सर्वोच्च शासी निकाय असेंबली है।
  - यह परषिद [IMO की इकाई](#) है तथा संगठन के कार्य की नगिरानी के लिये ज़मिमेदार है। यह समुद्री सुरक्षा और प्रदूषण की रोकथाम पर सरकारों को सफिरारशि करने के अलावा असेंबली के कार्यों का नषिपादन करती है।
  - IMO का कार्य पाँच समतियों तथा वभिन्न उपसमतियों के माध्यम से संचालति होता है, जो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, कूट, प्रस्तावों एवं दशिया-नरिदेशों के विकास व उन्हें अपनाते हैं।
- भारत और IMO:
  - भारत [समुद्री मामलों के प्रतअपनी नरितर प्रतबिद्धता](#) को उजागर करते हुए [IMO परषिद की श्रेणी-बी](#) में बना हुआ है।
  - भारत के [वज़िन 2030](#) का लक्ष्य IMO लंदन में स्थायी प्रतनिधियों की नयिकृति करके [IMO में प्रतनिधित्व](#) बढ़ाना है।
  - [अमृत काल वज़िन 2047](#) भारत की वैश्विक समुद्री उपस्थिति को मज़बूत करने के लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करता है।
    - पहलों में एक समरपति IMO सेल की स्थापना, IMO मुख्यालय में एक स्थायी प्रतनिधिकी नयिकृति [बहु-कषेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिये बंगाल की खाड़ी पहल \(BIMSTEC\) मास्टर प्लान](#) को लागू करना शामिल है।

**??????????:**

**प्रश्न.** 'क्षेत्रीय सहयोग के लिये हृदि महासागर रमि संघ [इंडियन ओशन रमि एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन (IOR-ARC)]' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2015)

1. इसकी स्थापना अत्यंत हाल ही में समुद्री डकैती की घटनाओं और तेल रसिाव की दुर्घटनाओं के प्रतकिरयिास्वरूप की गई है ।
2. यह एक ऐसी मैत्री है जो केवल समुद्री सुरक्षा हेतु है ।

**उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: (d)**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-re-elected-to-international-maritime-organisation-council>

